लाल बहादुर शास्त्री
उत्तर प्रदेश गन्ना किसान संस्थान

गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग

– : सार्थक कदम : –

घर–घर बीज गन्ना उत्पादन योजना का क्रियान्वयन

उत्तर प्रदेश की औसत गन्ना उत्पादकता 66.47 टन/प्रति हेक्टेअर है जो राष्ट्रीय औसत 69.9 टन/प्रति हेक्टेयर से कम है। कृषि निवेशों में सबसे महत्वपूर्ण कृषि निवेश बीज गन्ना है जो उत्पादन में लगभग 30 प्रतिशत योगदान करता है। बीज गन्ने की अच्छी गुणवत्ता गन्ना उत्पादकता बढ़ानें में अति महत्वपूर्ण है इसलिए यह आवश्यक है। गन्ना कृषक अच्छी गुणवत्ता के बीज का इस्तेमाल करें।

घर–घर बीज गन्ना उत्पादन योजना हेतु निम्न बिन्दुओं पर क्रियान्वयन किया जाना।

1. बीज गन्ने में पानी (नमी) का प्रतिशत 65 प्रतिशत से कम नही होना चाहिए तथा बीज गन्ने में शुक्रोज के स्थान पर ग्लूकोज की प्रधानता होनी चाहिए अर्थात अधिक मीठा गन्ना अच्छा बीज नही होता है। इसलिए गन्ने का ऊपरी 2/3 (दो तिहाई) हिस्सा ही बीज के रूप में प्रयोग किया जाना चाहिए गन्ने के निचले 1/3 भाग में अधिक चीनी परता होने के कारण उसे चीनी मिल में आपूर्ति किया जाना चाहिए।

2. प्रत्येक गन्ना उत्पादक कृषक वांछित प्रजातियों के बीज उत्पादन हेतु अपनी आवश्यकतानुसार आगामी वर्ष की बुवाई हेतु वांछित प्रजाति एवं बीज की मात्रा के दृष्टिगत नलकूप / ट्यूबवेल के पास आवश्यकतानुसार खेत का चयन गन्ना बीज उत्पादन के लिए करना चाहिए।

(अ) गन्ना किसान चयनित खेत की पूर्ण तैयारी करने के उपरान्त प्राथमिक पौधशाला से प्राप्त बीज हेतु गन्ने के टुकडे काटने से पूर्व चयनित खेत के एक कोने में बीज उपचार हेतु आवश्यकतानुसार एक गढ्ढा तैयार कर लें तथा गढ्ढे में पालिथीन बिछा दें, इसी गढ्ढे में दशमलव एक प्रतिशत बाविस्टीन का घोल तैयार कर लें इसी गढ्ढे के साथ ही बीज हेतु गन्ने के टुकड़े की कटाई प्रारम्भ करें जिससे कटे हुए गन्ने के टुकड़े इस गढ्ढे में जाते रहे तथा गन्ने के टुकडे का बीज उपचार अच्छी तरह से होता रहे गन्ने के टुकड़े कटाई के समय यह जरूर देखा जाये कि कोई बीज किसी रोग या कीड़े से प्रभावित न हो, ऐसे गन्ने के टुकड़े को अलग कर लें।

(ब) गन्ना किसान उच्च गुणवत्ता के बीज उत्पादन हेतु भूमि उपचार, बुआई, सिंचाई, उर्वरक एवं

फर्टिलाईजर तथा कीट रोग नियन्त्रण आदि सभी क्रियायें गन्ना उत्पादन, तकनीक के अनुसार ही करें परन्तु रोग एवं कीट नियन्त्रण हेतु पौधशाला पर विशेष ध्यान रहे।

3 गन्ना विकास विभाग द्वारा बीज गन्ना की गुणवत्ता को सुधारने हेतु बीज गन्ना ग्राम योजना प्रारम्भ की गयी है इसमें विभागीय योजनाओं के अन्तर्गत आधार एवं प्राथमिक पौधशालाओं को स्थापित किये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है जिससे इन बीज ग्रामों से उच्च गुणवत्ता के बीज गन्ना किसानों को वितरित हो सके। गन्ना किसानों को गन्ना बीज यातायात के समस्या के निराकरण हेतु घर–घर गन्ना उत्पादन योजना गन्ना उत्पादकता बढ़ानें के क्षेत्र में उपयोगी योजना है।

4 यदि कोई पौधा रोग से प्रभावित (जी.एस.टी., रेडराट) दिखायी देता है तो उसे रोंगिग कर दिया जाये अर्थात समूल नष्ट कर दिया जाये। जिससे रोग एवं कीट का प्रकोप फैलने न पाये।

5 तैयार नर्सरी से बीज कटाई से पूर्व सिंचाई के साथ–साथ 40 किग्रा नाइट्रोजन/हेक्टेअर दिया जाये, इससे बीज की गुणवत्ता अच्छी हो जाती है।

6 गन्ना किसान जिनके यहाँ पौधशालायें स्थापित नही होती है उनके द्वारा जिस खेत से गन्ने की आपूर्ति चीनी

मिलों को की जा रही है उसी खेत से गन्ना बुआई हेतु बीज गन्ना प्राप्त कर बुआई कर लेते हैं, वस्तुतः वह गन्ना होता है जिसे वह बीज के रूप में प्रयोग करते है ऐसे स्थिति में गन्ने को बीज गन्ने में परिवर्तित करने हेतु यह आवश्यक है कि जिस खेत से गन्ना बीज ले जाना है। उसका वह क्षेत्र या भाग चिन्हित कर बीज गन्ना हेतु चयनित करे जो स्वस्थ हो अच्छी उत्पादकता वाला हो तथा किसी रोग या कीट का प्रकोप न हो ऐसे क्षेत्र में पानी लगाने के बाद पानी खेत के अन्य भाग में न फैलने पाये। चयनित भाग/क्षेत्र से बीज गन्ना प्राप्त करने से एक सप्ताह पूर्व सिंचाई के साथ 40 किग्रा. नाइट्रोजन/हेक्टेअर यूरिया के माध्यम से प्रयोग करें तथा गन्ने का 2/3 भाग ही बीज गन्ने के रूप में प्रयोग करें जिससे चयनित बीज गन्ने का जमाव अच्छा हो सके।

समता, समृद्धि और सम्मान
अब खुशहाल होगा गन्ना किसान।

लाल बहादुर शास्त्री उ.प्र. गन्ना किसान संस्थान, 11, बटलर रोड, लखनऊ की ओर से निदेशक द्वारा सम्पादित तथा प्रकाश पैकेजर्स, 257–गोलागंज, लखनऊ से मुद्रित।